

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग ^{II}—चण्ड 3—उप-चण्ड (li) PART II—Section 3—Sub-Section (li)

प्राधिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

ei. 655]

नई बिल्ली, बुधवार, अन्तुबर 7, 1992/ आशियन 15, 1914

No. 655]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 7, 1992/ASVINA 15, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्षा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विल मंत्रालय

(राजम्ब विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-करवीर्य

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 7 श्रक्तूबर, 1992

<u>ग्रायकर</u>

काद्या 75%(प्र) — केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, प्राय-कर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 के साथ प्रिटन घारा 17 के खंड (2) के परन्तुक के खंड (11) के उनवड (वा) द्वारा प्रश्न शिनियों का प्रयोग करने हुए, प्राय-कर नियम, 1962 का और मंगोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाना है, धर्यात्.—~

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ--(1) इन नियमों का मिन्नानाम ब्राय-कर (उन्नीमवी संगोधन) नियम, 1992 है।
 - (2) ये पाजपत्न में प्रकाणन की तारीख को प्रकृत होंगे।

2. प्राय-कर नियम, 1962 के भाग 2 के उपभाग क में नियम 3 के पणचान् निम्नलिखिन प्रन्त.स्थापित किया जाएगा, प्रचित्:---

मुख्यायुक्त द्वारा अनुमीवित श्रम्पतालों मे विहित रोमो या व्याधियो के विकित्सीय उपचार की बावत परिलब्धि मुख्य से विकित्सीय

फायदों की छट

"3क. (1) धारा 17 के खड़ (2) के परन्तुक के खंड (11) के उपखंड (ख) के प्रयोजनों के लिए किसी श्रस्पताल की अनुमोशन देने में पूर्व मुख्यायका अपना यह समाजात करेगा , कि श्रस्तान स्थातीय प्राधिकारी के पास रिकस्ट्रीइन है और निष्नालिखित श्रपेक्षाओं को पूरा करना है, श्रर्थान्:—

- (1) ध्रस्यताल के लिए प्रयुक्त भवन प्रवृक्त नगरपालिका उपविधियों का अनुपाल करना है।
- (2) कक्षो में पर्याप्त गंवानन और, प्रकाण हैं और उन्हें स्वव्य और स्वास्थ्यकर स्थिति में रखा गया है।
- (3) रोगियों के लिए कम से कम दम लोहे के स्प्रिंग वाले विस्तारों की व्यवस्था की गई है।

2500 GI/92

- (4) कम से कम एक समृजित रूप से सुशक्तित प्राप्त प्रसिक्ष शाना की जिसमें कम से कम 180 वर्ग फुट फर्स और एक पृथक विसंक्रमण कक्ष है।
- (5) यदि अस्पलान में प्रमृति माननां से सबधित नििक्षिय सेवा की व्यवस्था है तो कम से कन एक ऐते अनत्रूर्व कक्ष की व्यवस्था की गई है जिसमें कम से कम 180 वर्ध फुट का फर्ण है।
- (6) शस्त्रकर्म शाला और प्रयपुत्र कक्षों को भ्रापूर्वित में रखा गया है।
- (7) कर्नौध्यारूल निसंग कर्मवाश्यिन्द इ्यूटी कक्ष की व्यवस्था की गई है।
- (8) औषधियों, स्नाद्य वस्तुओं, उत्तरकर आदि के भग्नरण के लिए पर्याप्त स्थान की ब्यवस्था की है।
- (9) भ्रम्पताल या निमंग श्रीम में उपयोग मं लाया गया जन पीने के लिए उपयुक्त है।
- (10) पूर्तित और सकामक रोशियों को ग्रनम करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है।
- (11) ग्रस्पलाल में निम्नलिखित की व्यवस्था की गई है और यह उनका अनुरक्षण करना है --
 - (क) उम्मा दाम विसंक्रमित्र और उपकरण विसंक्रमित;
 - (ख) आकिसजन सिलेंडर और धाक्षिमजन देने के लिए धावण्यक सलग्नक,
 - (ग) पर्याप्त शस्त्रकर्म उत्तर्कर, उपकरण और पाधित्र जिसके अंतर्गत अंतः शिरा साधित्र भी है;
 - (घ) रक्त, मृत्र और सल के परीक्षण के लि^ग. विक्रुनि प्रयोग-णाला,
 - (ङ)इप्रैक्ट्रो काडियोग्राम गानिट्रन तेल,
 - (च) विजली जाने की दशा मे तुरंच प्रयोग में लाए जाने के लिए जनित्त,
- (12) प्रत्येक बीम बिस्तरों या उससे कम के लिए नीबीस बढ़े कम में कस एक झिंद्रत डाक्टर उपलब्द है।
- (13) ऐसे भ्रम्पतालों में जहां सघन देखमाल एकक मुविधा के लिए व्ययस्था की गई हो वहां ऐसे सघन देख भाल एकक में झनन्य रूप से कम से कम दो श्रहित डाक्टर चौबीस घंटे इयुटी पर रहते हैं।
- (14) प्रत्येक पांच विस्तरों या उस से कम के लिए चीबीस घटे एक नर्स ड्यूटी पर है।
- (15) ऐसे ध्रस्पतालों में जहां मंत्रन देखभाल एकक मुनिया की ज्यवस्था की गई हो वहां ऐसे सधन देख-भाल एकक प्रत्येक चार विस्तरों या उसमें कम के लिए ध्रनता रूप में कप में कम चार नसीं की ज्यवस्था की गई है।
- (16) भ्रस्पताल प्रत्येक रोगी की श्रिभिलेख रखना है जिसमे रोगी का नाम, पता, व्यवसाय, लिग, श्रायु, प्रवेश की तारीख और छुट्टी की तारीख, रोग के निदान तथा किए गए उपचार का व्यीरा है।
- (2) धारा 17 के खड़ (2) के परन्तुक के खंड (ii) के उपखड़ (ख) के प्रयोजन के लिए, विहित रोग या व्याधियां निम्नलिखित होंगी, ग्रयीत्.--
 - (क) कैसर;
 - (ख) टी घी.;

(ग) एड्स,

-_= = -- --

- (घ) श्रदय, रक्त, अंतःकायो ग्रंथियां, श्रस्थिमज्जा, भ्यसन तल, केन्द्रीय तिवका तल, मूत्र तल, जिगर, पिचाशय, पानक तल, एडोकाइन ग्रंपियाया स्वास हे ऐसे रोग या व्याधियो जिनसे शस्त्रकाम की आवस्थकाता है।
- (ङ) ब्रांस्व, कार्य, नाक या गले की ऐसी ब्याधिया रोग जिसमें सस्त्रकर्मकी आवश्यकता है।
- (च) कंकाल नंत्र के ितमी भाग में श्रस्थिमंग, कणेक्काओं की स्थान-च्यृति जिपमें णस्त्रकर्मया विकताय उपचार की आवश्यकता है।
- (छ) स्त्री रोग या प्रस्तिरोग या व्याधि जिसमें ग्रस्त्रकर्म नैप्रस्ति शस्त्रकर्म या अंतरवर्णी मध्यक्षेषण की ग्रावस्थकत। है,
- (ज) (घ) में उल्लिखित अंगो की व्याधियां या रोग जिनमें किमी ग्रम्पताल में कम में कम निरतर, तीन दिन की चिकित्सीय उपचार की भ्रावण्यकता है।
- (अ) स्त्री रोग या प्रमूनि रोग या व्याधि जिसमें किसी ग्रम्पताल में कम में कम निरंतर तीन दिन की चिक्तिश्मीय उपचार की श्रावश्यकता है।
- (त्र) जलने से क्षिति जिसमें किसी ग्रस्पताल में कम से कम निरतर मीन दिन की चिकित्सीय उपचार की ग्रावस्यकता है;
- (ट) मानमिक विकास-विक्षिप्त या मनोयिक्षिप्त जिसमें किसी भ्रस्पताल में कम से कम निरंतर तीन दिन की चिकित्सीय उपचार की ग्रावण्यकता है।
- '(ठ) औषधि व्यसन जिसमे किसी अस्पताल में कम से कम तिरंतर सात दिन की चिकित्सीय उपचार की ग्रायश्यकला है।
- (ह) तीव्रप्राही प्राधान जिसके अनर्गत इसूलिन ग्राघान, औषधि प्रतिकिया और ग्रन्य प्रस्यूर्जना संबंधी प्रकटन भी है जिसमें किसी प्रस्पताल में कम में कम निश्तर तीन दिन की चिकित्मीय उपचार की ग्रावण्यकता है।

पर्त्टीकरण इस नियम के प्रयोजन के लिए,-

- (क) "श्रीहत डॉक्टर" से कोई ऐसा व्यक्ति श्रीभिन्नेत हैं। जिसके पास भारतीय श्रीयृविज्ञान परिषद् वारा मान्यताप्राप्त कोई डिग्री है और जो किनी राज्य की भाय्विज्ञान परिषद द्वारा रिजस्ट्रीकृत हैं।
 - (ख) नमं से कोई ऐसा व्यक्ति प्रशिवेत है जिनके पास किसी सान्यताप्रास्त परिचर्या परिषय का प्रमाणपत्र है और जो नमों के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी विधि के प्रधीन रजिस्ट्रीकृत है,
 - (ग) "शस्त्रकर्म" क अनर्गत कोई ऐसा उपवार भी है जो ग्राधुनिक प्रणानी द्वारा किया जाए जैसे एच्ज्योप्लास्टरी, ग्राथोहन, लिप्योद्रासी, नेजर या शीन शत्य चिकिस्सा।'

[सं 9107/फा.सं 142/20/92-टीपीएन] के एम मुल्तान, निदेश (टी.पी.एस. II)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1992

INCOME-TAX

S.O. 758(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (b) of clause (ii) of the proviso to clause (2) of section 17 read with section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely.—

Short title and commencement,—(1) These rules may be called the Income-tax (Ninetcenth Amendment) Rules, 1992.

- 2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in their publication in the Official Gazette.
- 2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in sub-part A, after rule 3, the following shall be inserted namely:—

Ex mption of medical benefits from perquisite value in respect of medical treatment of prescribed diseases or ailments in hospitals approved by the Chief Commissioner.

- "3A. (1) In granting approval to any hospital for the purposes of sub-clause (b) of clause (ii) of the proviso to clause (2) of section 17, the Chief Commissioner shall satisfy aimself that the hospital is registered with the local authority and fulfils the following requirements namely:—
 - (1) The building used for the hospital complies with the municipal bye-laws in force.
 - (ii) The rooms are well ventilated, lighted and are kept in clean and hygienic conditions.
 - (iii) At least ten iorn spring beds are provided for patients.
 - (iv) At least one properly equipped operation theatre is provided with minimum floor space of 180 square feet and with a separate sterilisation room.
 - (v) At least one labour room is provided with nimum floor space of 180 square feet in e the hospital provides medical service maternity cases.

conditions are maintained in the on theatre and the labour room.

room is provided for the nursing duty.

(ix) The water used in the hospital or nursing home is fit for drinking.

_ -----

- (x) Adequate arrangements are made for isolating septic and infectious patients.
- (xi) The hospital is provided with maintains :—
 - (a) high pressure sterilizer and instrument sterilizer;
 - (b) oxygen cylinders and necessary attachments for giving oxygen;
 - (c) adequate surgical equipments, instruments and apparatus including intravenous apparatus;
 - (d) a pathological laboratory for testing of blood urine and stool;
 - (e) electro-cardiogram monitoring system,
 - (f) stand-by generator for use in case of power failure.
- (xii) There is at least one qualified doctor available on duty around the clock for every twenty beds or fraction thereof.
- (xiii) In hospitals providing Intensive Care Unit facilities, there are at least two qualified doctors available on duty around the clock exclusively for such intensive care unit.
- (xiv) One nurse is on duty around the clock for every five beds or a fraction thereof.
- (xv) In hospitals providing Intensive Care Unit facilities, there are at least four nurses provided exclusively for every four beds or fraction thereof for such intensive care unit.
- (xvi) The hospital maintains record of health of every patient containing information about the patient's name, address, occupation, sex, age, date of admission, date of discharge, diagnosis of disease and treatment undertaken.
- (2) For the purpose of sub-clause (b) of clause (ii) of the proviso to clause (2) of section 17, the prescribed diseases or ailments shall be the following namely:—
 - (a) cancer;
 - (b) tuberculosis;
 - (c) acquired immunity deficiency syndrome;
 - (d) disease or ailment of the heart, blood, lymph glands, bone marrow, respiratory system, central nervous system, urinary system, liver, gall bladder, digestive system, endocrine glands or the skin, requiring surgical operation;
 - (e) ailment or disease of the eye, ear, nose or throat, requiring surgical operation;

- (f) fracture in any part of the skeletal system or dislocation of vertebrae requiring original operation or orthopaedic treatment;
- (g) gynaecological or obstetric ailment or disease requiring surgical operation, coescrean operation or laperoscopic intervention;
- (h) ailment or disease of the organs mentioned at (d), requiring medical treatment in a hospital for at least three continuous days;
- (i) gynaecological or obstetric ailment or disease requiring medica treatment in a hospital for at least three continuous days;
- (j) burn injuries requiring medical treatment in a hospital for at least three coninuous days;
- (k) mental disorder—neurotic or psychotic—requiring medical treatment in a hospital for at least three continuous days;
- (1) drug adiction requiring medical treatment in a hospital for at least seven continuous days;

the skeletal system or continuous days;

(ii) anaphylectic shocks including insulin shocks, drug reactions and other allergic manifestations requiring medical treatment in a hospital for at least three continuous days;

Explanation: For the purpose of this rule,-

- (a) "qualified doctor" means a person who holds a degree recognised by the Medical Council of India and is registered by the Medical Council of any State;
- (b) "nurse" means a person who holds a certificate of a recognised Nursing Council and is registered under any law for the registration of nurses;
- (c) "surgical operation" includes treatment by modern methodology such as angioplastry, dialysis, lithotropsy, laser or cryo-surgery.

No. 9107|F. No. 142|20|92-TPL1 K. M. SULTAN, Director (TPL-II)

Note: The principal rule viz. Income-tax Rules, 1962, as amended from time to time was made vide S.O. 969 dated 26-3-1962.